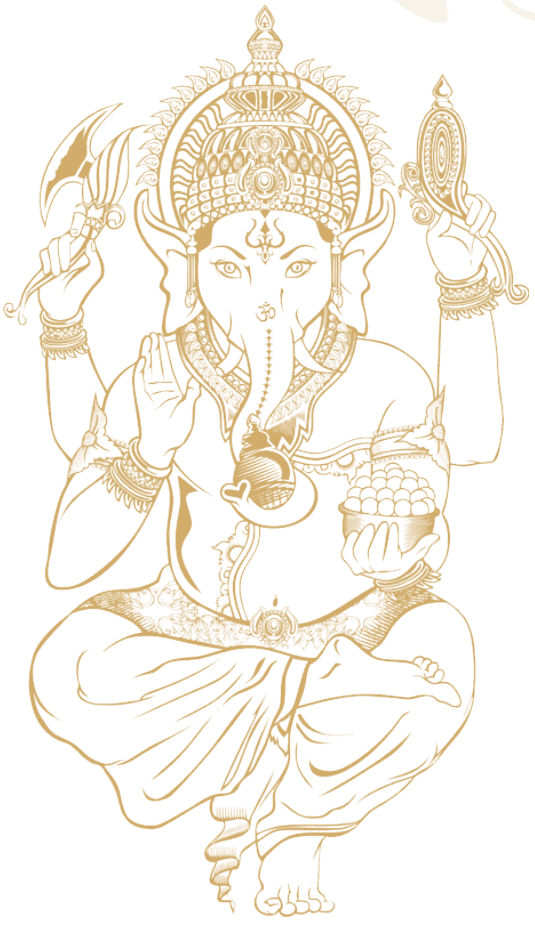

Om yadav

Abhilasha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121409504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/06/1989	जन्म तिथि	11/02/1991
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 06:19:53	जन्म समय(घटी)	20:38:33 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Delhi
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:02	सूर्योदय	07:03:28
19:19:48	सूर्यास्त	18:07:38
23:42:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 6मा 4दि	02:15:58	कर्क	लग्न	मिथु	23:28:11	शुक्र 8वर्ष 7मा 7दि
गुरु	29:18:48	वृष	सूर्य	मक	28:25:31	राहु
18/12/2010	29:58:39	कन्या	चंद्र	धनु	20:55:51	19/09/2022
18/12/2026	04:44:34	कर्क	मंगल	वृष	12:41:33	19/09/2040
गुरु 04/02/2013	07:17:49	वृष	बुध	मक	14:48:49	राहु 02/06/2025
शनि 19/08/2015	25:53:38	वृष	गुरु व	कर्क	13:05:54	गुरु 26/10/2027
बुध 23/11/2017	17:45:38	मिथु	शुक्र	कुंभ	22:41:39	शनि 01/09/2030
केतु 30/10/2018	18:13:56	धनु व	शनि	मक	06:47:31	बुध 21/03/2033
शुक्र 30/06/2021	04:32:52	कुंभ व	राहु	मक	04:14:10	केतु 08/04/2034
सूर्य 19/04/2022	04:32:52	सिंह व	केतु	कर्क	04:14:10	शुक्र 08/04/2037
चन्द्र 19/08/2023	10:04:03	धनु व	हर्ष	धनु	18:19:26	सूर्य 03/03/2038
मंगल 24/07/2024	17:47:15	धनु व	नेप	धनु	21:52:29	चन्द्र 01/09/2039
राहु 18/12/2026	19:03:28	तुला व	प्लूटो	तुला	26:36:22	मंगल 19/09/2040

लग्न-चलित

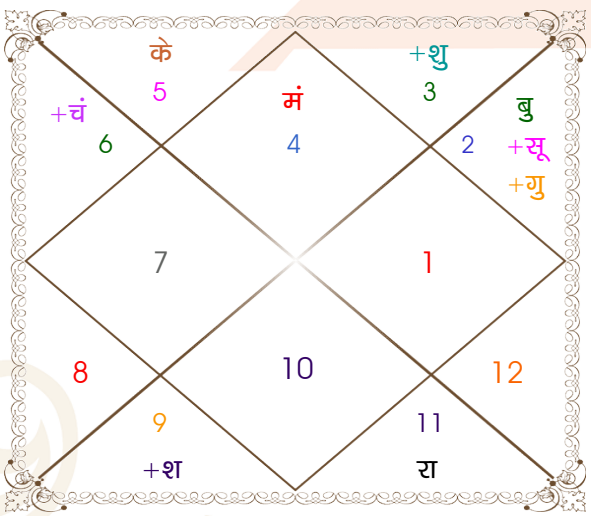

लग्न-चलित

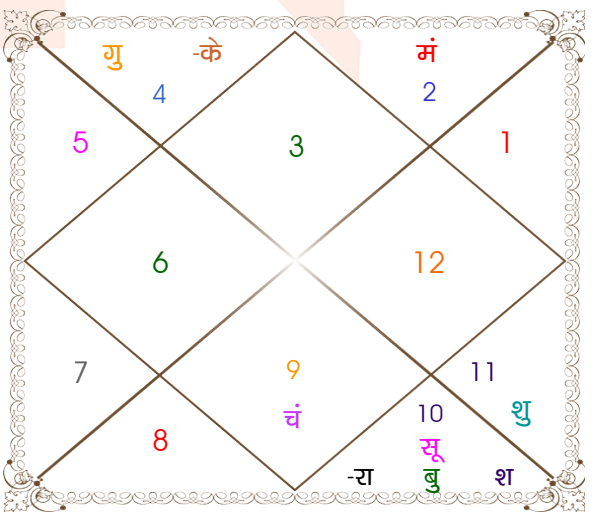

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

व्उ लंकंअ का वर्ग मूषक है तथा Abhilasha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार व्उ लंकंअ और Abhilasha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

व्उ लंकंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल व्उ लंकंअ कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Abhilasha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Abhilasha कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि व्उ लंकंअ कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

व्उ लंकंअ तथा Abhilasha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।